Indian Council of Agricultural Research
PR Unit, Krishi Bhavan, New Delhi

Newspaper / Magazine : राष्ट्रीय सहारा | Date: 16/5/2006

Place of Publication : Delhi / Chandigarh / Bangalore / Meerut / Jaipur / Faridabad / Mumbai / Patna

वर्ष 2004-05 में कपास का रिकार्ड उत्पादन

वार्ता

नई दिल्ली, 15 मई। देश में वित्त वर्ष 2004-05 में कपास की 243 लाख गांठों का रिकार्ड उत्पादन हुआ जबकि वित्त वर्ष 2003-04 में यह उत्पादन मात्र 179 लाख गांठें था। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। एक गांठ 170 किलोग्राम की होती है। वित्त वर्ष 2004-05 में कपास का उत्पादन प्रति हेक्टेयर 463 किलोग्राम रिकार्ड किया गया जो 2003-04 के लिए 399 किलोग्राम था। परिषद ने हरियाणा के लिए कपास की दो संकर किस्मों एचएचएच 287 और एचडी 324 तथा तमिलनाडु के लिए एमसीयू 13 की पहचान की है। हरियाणा के लिए पहचान की गई दोनों किस्में राज्य में फसल चक्र के साथ अच्छा तालमेल बिठा सकती हैं। प्रति हेक्टेयर 3500 किलोग्राम की उत्पादन क्षमता वाले एचएचएच 287 किस्म का औसत उत्पादन 2045 किलोग्राम दर्ज किया गया है।

तमिलनाडु में एमसीयू 13 ने

■ **वर्ष 2003-04 की 179 लाख गांठों के मुकाबले 2004-05 में 243 लाख गांठों का उत्पादन हुआ**

विभिन्न परीक्षणों में 1700 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर का उत्पादन दर्ज किया गया है जबकि उत्पादन क्षमता 3500 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक है। एचएचएच 287 को हिसार के चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में विकसित किया है। हरियाणा में सिंचाई सुविधाएं को ध्यान में रखकर विकसित की गई इस किस्म की ऊंचाई 150 से 160 सेंटीमीटर तक होती है और एक फल का वजन करीब चार ग्राम तक होता है।

एचएनएच 287 को तैयार होने में महज 160 से 170 दिन का समय लगता है। एचडी 324 को भी हिसार में ही विकसित किया गया है और इसकी उत्पादन क्षमता तीन हजार किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है लेकिन अभी तक के परीक्षणों में मात्र 1866 किलोग्राम ही उत्पादन हो पाया है। इस किस्म को सिंचाई वाले क्षेत्रों में अप्रैल में लगाया जा सकता है। एमसीयू 13 किस्म का विकास कोयम्बटूर में तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय में किया गया है।